RE. PAPERS LAID ON THE TABLE

MR. SPEAKER : Now, what is his point of order. जब मैं खड़ा हुआ करूं तो आप न उठा करें। यह गलत बात है । आपको पहले उठना चाहिये था ।

श्री मोलहू प्रसाद (बासगांव) : मैं कब से उठ रहा हूं ।

लोक सभा के सभा पटल पर जो कागजपत्र रखे जाते हैं अगर वे गोपनीय दस्तावेज हैं तब तो मुझे कोइ एतराज नहीं है, तब तो मुझे कुछ नहीं कहना है । लेकिन अगर वे गोपनीय पत्र नहीं हैं, तो क्या कारण है कि वे पत्र आपके सचिवालय से हम लोगों को प्राप्त नहीं होते हैं । आपके सचिवालय को लिखने पर भी वे प्राप्त नहीं होते हैं । अगर वे गोपनीय दस्तावेज हैं तब तो मुझे कोई एतराज नहीं है । लेकिन अगर गोपनीय नहीं हैं तो हम लोगों को वे मिलने चाहियें ।

अध्यक्ष महोदय : यह तो एक निवेदन है । व्यवस्था कहां से निकल आई ? क्या हो गया है आपको ? यह प्वाइंट आफ आर्डर नहीं है । इतना शोर कर रहे थे लेकिन निकला कुछ भी नहीं बीच में से ।

श्री राम सेवक यादव (बारावंकी) : मैंने एक विशेषाधिकार की अवहेलना का प्रस्ताव दिया है । यह माननीय गृह मंत्री जी के बयान को ले कर है जिस में उन्होंने कहा था——

अध्यक्ष महोदय : मैं किसी भी ऐसी आइटम को एलाउ नहीं कर सकता हूं जिस को मैंने देखा नहीं है । यह अभी मुझे मिला है । मुझे पता भी नहीं था । कैसे मैं देख सकता था ?

श्री जनेश्वर मिश्र (फलपुर) : सुबह दिया था दस बजे । आपके इसको रोक लिया गया हो तो हम क्या करें । आपका सचिवालय रोक ले तो हम क्या करें?

अध्यक्ष महोदय : मुझे इसको देख तो लेने दो ।

श्री राम सेवक यादव इसको भेजा जा चुका है ।

अध्यक्ष महोदय : इस वक्त नहीं । मुझे देख लेने दीजिये । बाद में इसके बारे में बात करूंगा ।

श्री राम सेवक यादव : आप निवेदन सुन तो लें । अगर मंत्री महोदय यह कहें कि हमें जानकारी नहीं है तो हम भी बीच में पड़ना नहीं चाहते हैं । अगर मजिस्ट्रेट अरोड़ा इतना कहते कि हमारा उनके साथ कोई रिश्ता नहीं है तब भी ठीक बात थी । लेकिन उन्होंने कहा है कि मैं कानपूर में रहा हूं लेकिन मैं अवेयर नहीं हूं कि मेरा श्री अर्जुन अरोड़ा से कोई रिश्ता है । ऐसा कह कर उन्होंने और कनफ्यूशन पैदा कर दिया है । कानपुर में काफी दिन रहे हैं और उनको जानकारी नहीं है कि उनका उनके साथ कोई रिश्ता है (**इंटरप्शन**) यह **नैशनल हैराल्ड** में छपा है और यह बात उन्होने प्रेस कान्फ्रेन्स में कही है ।

अध्यक्ष महोदय : अभी मैंने इसको पढ़ा नहीं है । मुझे देख लेने दीजिये । कितनी सिर-दर्दी पैदा करते है ? रोज करते हैं ।

12.54 hrs.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

NINETY-NINTH REPORT

SHRIMATI SUSHILA ROHATGI (Bilhaur) : I beg to present the Ninety-ninth Report of the Public Accounts Committee on action taken by Government on the recommendations contained in their sixty-ninth Report on Appropriation Accounts (Defence Services), 1966-67 and Audit Report (Defence Services), 1968.